Sanskritaseva Avashyaka Nivedana Brahmanom Se

संस्कृतसेवा आवश्यक निवेदन ब्राह्मणों से

Document Information

Text title : Sanskritaseva Avashyaka Nivedana Brahmanom Se

File name : sanskRRitasevAAvashyakanivedanabrAhmaNoMse.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

संस्कृतसेवा आवश्यक निवेदन ब्राह्मणों से

ब्राह्मण भी संस्कृत छोड़ेंगे, नहीं कभी थी आशा,
किन्तु देश को हुई आपसे भीषण आज निराशा ।
अरे, आपने भी संस्कृत की शिक्षा से मुँह मोड़ा,
वह सम्बन्ध युगों का कैसे इतनी जळी तोड़ा ? । १
अंग्रेजी-शिक्षा का होगा नहीं उचित अवरोध,
किन्तु आपको आवश्यक है संस्कृत का भी बोध ।
ब्राह्मण को भी संस्कृत का हो नहीं यथावत् ज्ञान,
इससे बढ़कर और भला क्या होगा दोष महान ? । २
ऋषि-मुनियों ने जिस भाषा की भागीरथी बहाई,
जिस निधि की रक्षा में अपनी सारी आयु बिताई ।
उनके कुल की ही यह देखें कैसी करुण कहानी,
जहाँ सिन्धु था आज वहाँ पर नहीं बिन्दु भर पानी ? । ३
कभी आपके श्रीमुख में था श्रुतियों का आवास,
किन्तु आज सुर्ती-गाँजा का दुर्गन्धित उछ्वास ।
बैठ कुशासन पर, कर में ले, दर्भों का समुदाय-
कहाँ गया वह नियम उषा में करने का स्वाध्याय ? । ४
एक बार भी तो दुहरा दें अब भी वह इतिहास,
फिर से इस उजड़े मधुवन में लहराये मधुमास ।
कण्ठ-कण्ठ से सामगान का तान मधुर फिर फूटे,
अब से ऋषिकुल में सुरवाणी का मृदु तार न टूटे । ५

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskritaseva Avashyaka Nivedana Brahmanom Se

pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*